

---

# Vinayakastotra

---

श्रीविनायकस्तोत्रम्

---

## Document Information

---



---

Text title : Vinayaka Stotram 1

File name : vinaayaka.itx

Category : ganesha, stotra

Location : doc\_ganesha

Transliterated by : M Suresh msuresh at altavista.net

Proofread by : M Suresh msuresh at altavista.net

Description-comments : shrIbrahmANDapurANe skandaprokta

Latest update : January 21, 1999

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Vinayakastotra

---

### श्रीविनायकस्तोत्रम्

---



ॐ

भूषिकवाहन मोदकउस्त यामरकर्ण विलम्बितसूत्र ।

वामनरूप मधेश्वरपुत्र विघ्नविनायक पाद नमस्ते ॥

देवदेवसुतं देवं जगद्धिघ्नविनायकम् ।

उस्तिरूपं महाकायं सूर्यकोटिसमप्रलम् ॥ १ ॥

वामनं जटिलं कान्तं दुस्वग्रीवं मणोदरम् ।

धूम्रसिन्दूरयुद्धाण्डं विकटं प्रकटोत्कटम् ॥ २ ॥

अेकदन्तं प्रलम्बोष्ठं नागयज्ञोपवीतिनम् ।

त्र्यक्षं गजभुजं कृष्णं सुकृतं रक्तवाससम् ॥ ३ ॥

दन्तपाणिं च वरदं ब्रह्मण्यं ब्रह्मधारिणम् ।

पुण्यं गणपतिं दिव्यं विघ्नराजं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

देवं गणपतिं नाथं विश्वस्थात्रे तु गामिनम् ।

देवानामधिकं श्रेष्ठं नायकं सुविनायकम् ॥ ५ ॥

नमामि भगवं देवं अद्भुतं गणनायकम् ।

वक्रतुण्ड प्रयाणाय उग्रतुण्डाय ते नमः ॥ ६ ॥

त्रयाण्य गुरुत्रयाण्य त्रयाण्य त्रयाण्य ते नमः ।

भक्तोन्मत्तप्रभक्ताय नित्यमक्ताय ते नमः ॥ ७ ॥

उमासुतं नमस्यामि गङ्गापुत्राय ते नमः ।

ओङ्काराय वषट्कार स्वाहाकाराय ते नमः ॥ ८ ॥

मन्त्रमूर्ते महायोगिन् जातवेदे नमो नमः ।

परशुपाशकउस्ताय गजकउस्ताय ते नमः ॥ ९ ॥

मेघाय मेघवर्णाय मेघेश्वर नमो नमः ।

घोराय घोररुपाय घोरघोराय ते नमः ॥ १० ॥

पुराणपूर्वपूज्याय पुरुषाय नमो नमः ।

मदोदकट नमस्तेऽस्तु नमस्ते चाण्डविक्रम ॥ ११ ॥

विनायक नमस्तेऽस्तु नमस्ते भक्तवत्सल ।

भक्तप्रियाय शान्ताय मङ्गलेजस्विने नमः ॥ १२ ॥

यज्ञाय यज्ञोत्रे य यज्ञेशाय नमो नमः ।

नमस्ते शुक्लभस्माङ्ग शुक्लमालाधराय य ॥ १३ ॥

मदक्लिन्नकपोलाय गणाधिपतये नमः ।

रक्तपुष्प प्रियाय य रक्तचन्दन भूषित ॥ १४ ॥

अग्निहोत्राय शान्ताय अपराजय्य ते नमः ।

आम्बुवाहन देवेश अकटन्ताय ते नमः ॥ १५ ॥

शूर्पकर्णाय शूराय दीर्घदन्ताय ते नमः ।

विघ्नं हरतु देवेश शिवपुत्रो विनायकः ॥ १६ ॥

कृलश्रुति

जपादस्यैव डोमाय्य सन्ध्योपासनसस्तथा ।

विप्रो भवति वेदाढ्यः क्षत्रियो विजयी भवेत् ॥

वैश्यो धनसमृद्धः स्यात् शूद्रः पापैः प्रमुच्यते ।

गर्भिणी जनयेत्पुत्रं कन्या भर्तारमाप्नुयात् ॥

प्रवासी लभते स्थानं बद्धो बन्धात् प्रमुच्यते ।

छष्टसिद्धिमवाप्नोति पुनात्यासत्तमं कुलं ॥

सर्वमङ्गलमाङ्गल्यं सर्वपापप्रणाशनम् ।

सर्वकामप्रदं पुंसां पठतां श्रुणुतामपि ॥

॥ इति श्रीब्रह्माण्डपुराणे स्कन्दप्रोक्त विनायकस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by M Suresh (msuresh at altavista.net)



*Vinayakastotra*

pdf was typeset on February 14, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

